web: www.nyaysakshi.com || पृष्ठ-2 में पढ़ें संपादकीय-खेल-व्यापार-धर्म-खाना खजाना-राशिफल || पृष्ठ-3 में पढ़ें छत्तीसगढ़-प्रादेशिक

दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 || Postal Registration No-055/Raigarh DN CG || रायगढ़, सोमवार 20 सितंबर 2021 || पृष्ठ-4, मूल्य 3 रूपए || वर्ष-03, अंक- 351

सदन की कार्यवाही में व्यवधान से कानून बनाने की प्रक्रिया में देरी होती है : वेंकैया नायडू

नई दिल्ली (आरएनएस)। उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने कहा कि सदन की कार्यवाही में व्यवधान डालना संसदीय आचरण, नियमों और आचार संहिता की भावना के विरुद्ध है, इससे कानून बनाने की प्रक्रिया में देरी होती है और इसे सदस्यों का विशेषाधिकार नहीं माना जा सकता। उपराष्ट्रपति ने दूसरे राम जेठमलानी मेमोरियल व्याख्यान को संबोधित करते हुए कहा कि व्यवधान के जरिये विधायिका को निष्क्रिय बनाने के वित्तीय प्रभाव हैं, साथ ही कानून बनाने में देरी तथा त्रुटिपूर्ण विधान के सामाजिक आर्थिक प्रभाव काफी बड़े हैं। उन्होंने कहा, '' संसदीय विशेषाधिकारों का उद्देश्य सांसदों को सक्षम और सदन की कार्यवाही को सार्थक बनाना है। सदन की कार्यवाही में व्यवधान डालना संसदीय आचरण, नियमों और आचार संहिता की भावना के विरुद्ध है।'' नायडू ने कहा, '' सदन में व्यवधान करने को सदस्यों का विशेषाधिकार नहीं माना जा सकता।'' उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों को लोगों की ओर से और लोगों के लिये काम करना चाहिए तथा इसे सार्थक होना चाहिए, व्यवधान पैदा करने वाला नहीं। राज्यसभा के सभापति नायडू ने कहा कि लोग अक्सर उनसे पूछते हैं कि शोर शराबे के बीच में वे सदन की कार्यवाही स्थगित क्यों कर देते हैं।

उन्होंने कहा कि इस सवाल पर उनका जवाब होता है कि वह नहीं चाहते कि लोग अशोभनीय दृश्य देखें। नायडू ने कहा कि इस बारे में एक दूसरा विचार भी है कि लोगों को ऐसे दृश्य देखने चाहिए। उन्होंने कहा कि वह इस बारे में पुन्-विचार कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि राज्यसभा की आचार समिति ने कार्यवाही के संचालन को लेकर 14 सूत्री आचार संहिता की सिफारिश की है और इसे सदन ने अंगीकार किया है। इसमें कहा गया है कि सदस्यों को ऐसा कुछ भी नहीं करना चाहिए, जिससे सदन की गरिमा प्रभावित हो। उन्होंने कहा, '' सवाल यह है कि क्या व्यवधान से संसद की गरिमा बढ़ती है ? निश्चित तौर पर नहीं।''

उन्होंने कहा कि कार्यवाही के दौरान सांसदों/विधायकों की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार पर काफी चर्चा होती है। नायडू ने कहा कि बार-बार व्यवधान केवल सदन की उत्पादकता को बिगाड़ता है और सदस्यों के अधिकारों का उल्लंघन करता है, विशेष रूप से जो संसद में बहस करने और जनता से संबंधित मुद्दों पर चर्चा करने के लिए आते हैं। समारोह को विधि एवं न्याय मंत्री किरण रिजिजू ने भी संबोधित किया।

लगभग पांच माह बाद देवघर का बाबा धाम खुला, भक्तों में उत्साह

नई दिल्ली (आरएनएस)। कोरोना वायरस महामारी के कारण लगातार लगभग पांच माह तक बंद देवघर के विश्व प्रसिद्ध बाबा वैद्यनाथ धाम मंदिर को बीती शाम को श्रद्धालुओं के लिए खोल दिया गया जिससे श्रद्धालुओं तथा पुजारियों में भारी उत्साह है। कोविड-19 के चलते पिछले लगभग पांच माह से बाबा वैद्यनाथ धाम श्रद्धालुओं के लिए बंद था जिसे खोल दिया गया। हालांकि पहले दिन आज अपेक्षाकृत भीड़ कम थी लेकिन जो श्रद्धालु बाहर से पूजा करने आए थे उनमें भारी उत्साह दिखाई दिया।

जिन श्रद्धालुओं ने मंदिर में दर्शन के लिए ई- पास बना रखा था उन्हें ही मंदिर प्रवेश की अनुमति मिली। मानसरोवर के निकट ई-पास की जांच के बाद श्रद्धालुओं को प्रवेश कराया जा रहा था। मंदिर परिसर में मजिस्ट्रेट और पुलिस की व्यापक व्यवस्था थी। दूसरी ओर मंदिर खुलने से तीर्थ पुरोहितों, दुकानदारों, फूल माला बेचने वालों समेत मंदिर पर आश्रित अन्य लोगों में खुशी का माहौल देखा गया। हालांकि लोगों की मांग थी कि धीरे-धीरे पूरा मंदिर आम श्रद्धालुओं के लिए खोल दिया जाए जिससे स्थानीय लोगों की आर्थिक स्थिति में सुधार हो सके। आज सुबह-सुबह देवघर के पुलिस अधीक्षक ने बाबा मंदिर जाकर पुलिस कर्मियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया और विधि व्यवस्था का जायजा लिया।

पुलिस अधिकारी एवं अन्य अधिकारी भी मंदिर व्यवस्था की देखरेख में लगे थे। इसी सप्ताह 14 सितंबर कोझारखंड सरकार ने कोविड-19 के मामलों में कमी को देखते हुए पूजा स्थलों में भक्तों को प्रवेश की अनुमति देने का फैसला किया था। फिलहाल देवघर के बाबा धाम में प्रति घंटे सिर्फ 100 भक्तों को ई-पास के आधार पर दर्शन की अनुमति देने का निर्णय लिया गया है। जिला प्रशासन ने मंदिर में सुबह छह बजे से शाम चार बजे तक ही श्रद्धालुओं को प्रवेश की अनुमति दी है।

महत्वपूर्ण एवं खास

प्रधानमंत्री ने नागरिकों से स्मृति चिन्हों की नीलामी में भाग लेने का किया आह्वान

नई दिल्ली(आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नागरिकों से उपहारों और स्मृति चिन्हों की नीलामी में भाग लेने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि नीलामी से प्राप्त आय नमामि गंगे कार्यक्रम में दी जाएगी। प्रधानमंत्री ने एक ट्वीट में कहा; समय के साथ, मुझे कई उपहार और स्मृति चिन्ह मिले हैं, जिनकी नीलामी की जा रही है। इनमें हमारे ओलंपिक नायकों द्वारा दिए गए विशेष स्मृति चिन्ह शामिल हैं। नीलामी में भाग लें। आय नमामि गंगे पहल में दी जाएगी।

ख़राब मौसम ने रोकी राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद की उड़ान

शिमला (आरएनएस)। हिमाचल प्रदेश के पूर्ण राज्यत्व के स्वर्ण जयंती वर्ष पर राज्य विधानसभा के विशेष सत्र को सम्बोधित करते हुये चार दिन के दौरे पर यहां राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद के हैलीकाप्टर खराब मौसम के कारण उड़ान नहीं भर सका है। कोविंद को वायु सेना के हैलीकाप्टर से आज पूर्वाहन 11 बजे यहां अनाडेल हैलीपैड से चंडीगढ़ और वहां से हवाई जहाज से दिल्ली जाना था लेकिन खराब मौसम के कारण उनका हैलीकाप्टर उड़ान नहीं भर पा रहा है। अब मौसम साफ़ होने तथा क्लीयरेंस मिलने के बाद ही वह यहां से रवाना हो सकेंगे।

यात्री जहाज के पलटने से 8 लोगों की मौत, 7 लापता

गुईयांग। चीन के दक्षिण-पश्चिमी प्रांत गुइझोउ में एक यात्री जहाज के नदी में पलट जाने से आठ लोगों की मौत हो गयी जबकि सात अन्य लापता हैं। बीती शाम लियूपांशुई शहर के जांगके टाउनशिप के समीप उस समय हुई, जब जांगके नदी यात्री जहाज पलट गया। घटना में आठ लोगों की मौत हो गयी जबकि सात अन्य लापता हैं। रविवार सुबह तक 39 लोगों को बचा लिया गया। अधिकारी जहाज में सवार यात्रियों की संख्या की जांच कर रहे हैं। बचाव अभियान अभी जारी है तथा दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

अफगानिस्तान में नहीं थम रहे हमले, 4 धमाकों में 2 की मौत, 21 जख्मी

काबुल। अफगानिस्तान पर तालिबान की सरकार को गठन हो चुका है। इसके बावजूद वहां के हालात स्थिर नहीं हो रहे हैं। राजधानी काबुल में एक के बाद एक कुल 4 धमाके हुए। इन धमाकों में दो लोगों के मारे जाने की खबर प्राप्त हुई है। जबकि 21 अन्य लोग बुरी तरह से जख्मी बताए जा रहे हैं। जलालाबाद में तालिबान के वाहनों को निशाना बनाया गया। यहां पर 3 धमाके हुए। जिसमें 2 लोगों की मौत हो गई और 19 लोग जख्मी हो गए। जबकि चौथा धमाका काबुल के पीडी13 में हुआ। जहां पर 2 लोग जख्मी हो गए। धमाके में जख्मी हुए लोगों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। अभी तक धमाके की जिम्मेदारी किसी भी संगठन ने नहीं ली है। इससे पहले भी काबुल में धमाके होते रहे हैं।

तालिबान ने महिलाओं के लिए मंत्रालय को हटा कर उन पर पाबंदी लगाने वाला मंत्रालय बनाया

काबुल। अफगानिस्तान के नये तालिबान शासकों ने कभी महिला मामलों का मंत्रालय रहे एक भवन से शनिवार को विश्व बैंक के कार्यक्रम के कर्मचारियों को जबरन बाहर कर 'सदाचार प्रचार एवं अवगुण रोकथाम' मंत्रालय स्थापित किया। काबुल पर कब्जा कर सरकार में आने के महज एक महीने बाद तालिबान द्वारा महिलाओं के अधिकारों पर पाबंदी लगाने वाला यह एक नया कदम है। तालिबान ने 1990 के दशक में अपने शासनकाल के दौरान बालिकाओं और महिलाओं को शिक्षा के अधिकार से वंचित कर दिया था और उनके सार्वजनिक जीवन पर पाबंदी लगा दी थी। इसबीच, पूर्वी प्रांतीय राजधानी जलालाबाद में शनिवार को तालिबान वाहनों को निशाना बना कर किये गये विस्फोटों में तीन लोग मारे गये जबकि 20 अन्य घायल हो गये। इस हमले की अभी तक किसी संगठन ने जिम्मेदारी नहीं ली है लेकिन इस्लामिक स्टेट आतंकवादियों का मुख्यालय इस इलाके में है और वे तालिबान के दुश्मन हैं।

हैदराबाद के मशहूर गणेश लड्डू की कीमत 18.90 लाख रुपये लगी बोली

हैदराबाद (आरएनएस)। हैदराबाद के सबसे लोकप्रिय 21 किलो के लड्डू बालापुर गणेश को रविवार को 18.90 लाख रुपये के सर्वकालिक रिकॉर्ड के साथ नीलामी की गई। आंध्र प्रदेश विधान परिषद के सदस्य रमेश यादव ने तेलंगाना के नादरगुल के एक व्यापारी मैरी शशन रेड्डी के साथ प्रसिद्ध लड्डू खरीदा। इसकी बोली 1,116 रुपये में शुरू हुई और कुछ ही मिनटों में सैकड़ों भक्तों द्वारा जोरदार जयकारों के बीच इसे अब तक की सबसे ऊंची बोली के लिए नीलाम कर दिया गया। यादव ने इसे आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाई एस जगन मोहन रेड्डी को उपहार करार दिया।

कोलानू राम रेड्डी, एक व्यवसायी और किसान, जिन्होंने 2019 में 17.60 लाख रुपये में लड्डू खरीदा था, उन्होंने भी इस साल नीलामी में कई अन्य लोगों के साथ भाग लिया। इस नीलामी को देखने के लिए राज्य के शिक्षा मंत्री पी. सबिता इंद्रा रेड्डी, पूर्व विधायक टी. कृष्णा रेड्डी और कई अन्य राजनेता मौजूद थे। शहर के बाहरी इलाके बालापुर गांव में लड्डू की वार्षिक नीलामी गणेश विसर्जन जुलूस की शुरुआत का प्रतीक है, जो शहर के बीचों-बीच हुसैन सागर झील तक पहुंचने के लिए शहर के विभिन्न हिस्सों से होकर गुजरता है।

हर साल नीलामी का आयोजन करने वाली बालापुर गणेश उत्सव समिति के मुताबिक 1994 में हुई पहली नीलामी में लड्डू 450 रुपये में बिका था। तब से, इस मिठाई की लोकप्रियता और कीमत में वृद्धि हुई।

कार ड्राइविंग सीख रहे चार युवकों की ट्रक ट्रेलर के टकराने से हुई मौत

श्रीगंगानगर (आरएनएस)। राजस्थान के हनुमानगढ़ जिले में मेगा हाइवे पर रावतसर के समीप आज तड़के कार और ट्रक ट्रेलर में आमने-सामने की टक्कर हो जाने से चार युवकों की मौत हो गई। मृतकों में तीन चचेरे एवं ममेरे भाई हैं। चौथा इनका दोस्त है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतकों की पहचान रावतसर में वार्ड नंबर 21 निवासी हेमंत नाई (18) नीरज नाई (17) झुंझुनू जिले में बजावा निवासी रजत नाई (20) और रावतसर में वार्ड नंबर 21 निवासी रुद्राक्ष गोदारा (17) के रूप में की गई है।

इनमें तीन घायलों को आपातकाल सेवा 108 की एंबुलेंस से तत्काल अस्पताल ले जाया गया लेकिन तीनों को ही मृत घोषित कर दिया गया। चौथे ड्राइविंग सीट पर फंसे हुए युवक का शव बाहर निकालने के लिए काफी जतन करने पड़े। ट्रेलर कार के हिस्से को टोचन कर उखाड़ा गया, जिससे लाश बाहर निकाली जा सकी।

सुबह चार बजे हुई दुर्घटना में चार युवकों की मृत्यु हो जाने से

रावतसर में शोक की लहर दौड़ गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार यह युवक अपने एक परिवारजन की कार लेकर तीन-चार दिनों से ड्राइविंग करना सीख रहे थे। कस्बे के एक बाशिंदे ने बताया कि यह युवक रावतसर के अंदर तथा साथ लगती कालोनियों की खाली सड़कों पर तीन-चार दिन से कार ड्राइविंग सीख रहे थे, लेकिन कल देर रात को मेगा हाईवे पर कार ड्राइविंग के लिए चले गए। सुबह लगभग चार बजे लक्खूवाली से वापस रावतसर आते समय कस्बे से 3 किमी दूर भादू पेट्रोल पंप के पास सामने से सीमेंट के थैले लेकर आ रहे ट्रक ट्रेलर से भीषण भिड़ंत हो गई।

चरणजीत सिंह चन्नी होंगे पंजाब के नए मुख्यमंत्री

चंडीगढ़ (आरएनएस)। पंजाब के पावर प्ले में कांग्रेस ने चरणजीत सिंह चन्नी को सीएम बनाने का फैसला लेकर चौंका दिया है। चरणजीत सिंह चन्नी 1966 में हुए राज्य के पुनर्गठन के बाद से पहले दलित सीएम होंगे। सुखजिंदर सिंह रंधावा, सुनील जाखड़ और अंबिका सोनी जैसे नेताओं के नाम सीएम की रेस में चल रहे थे, लेकिन चन्नी की दूर-दूर तक चर्चा नहीं थी। ऐसे में उनको सीएम बनाया जाना कांग्रेस की ओर से सरप्राइज माना जा रहा है। वह कैप्टन अमरिंदर सिंह की जगह राज्य का नेतृत्व करेंगे, जिन्होंने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। पंजाब के कांग्रेस प्रभारी हरीश रावत ने ट्वीट कर चरणजीत सिंह चन्नी को सीएम चुने जाने की जानकारी दी है। रावत ने ट्वीट किया, चरणजीत सिंह चन्नी को कांग्रेस की विधायक दल की मीटिंग में एकमत से सीएम बनाए जाने का फैसला लिया गया है। उनके अलावा राज्य में पर्यवेक्षक के तौर पर पहुंचे अजय माकन ने भी ट्वीट किया है कि शाम को 6.30 बजे हरीश रावत और विधायक दल के नए नेता गवर्नर हाउस जाएंगे। माना जा रहा है कि इस मुलाकात में वह राज्य में सरकार के गठन का दावा करेंगे।

इस बीच सीएम बनने की रेस में अब तक आगे बताए जा रहे कांग्रेस नेता सुखजिंदर सिंह रंधावा ने कहा कि यह हाईकमान का फैसला है। रंधावा ने कहा, यह हाईकमान का फैसला है। मैं इसका स्वागत करता हूं। चन्नी मेरे लिए छोटे भाई की तरह हैं। मैं निराश नहीं हूं। चरणजीत सिंह चन्नी को सीएम बनाकर कांग्रेस ने एक तरह से चौंकाने का काम किया है। कैप्टन अमरिंदर सिंह के इस्तीफे के बाद से ही जिन नामों की चर्चा चल रही थी, उनमें दूर-दूर तक चन्नी रेस में नहीं थे। लेकिन अचानक उनका नाम सामने आने से पूरी बाजी ही पलटती दिख रही है। कहा जा रहा है कि दलित नेता को सीएम बनाकर कांग्रेस ने बड़ी आबादी को साधने का काम किया है। उन्हें कमान देकर कांग्रेस हिंदू, दलित और सिखों को एक साथ साधने का प्रयास करेगी।

चन्नी को सीएम बनाकर अकाली दल को दिया बड़ा झटका

इसके अलावा आपसी गुटबाजी से परे उसने एक ऐसे नेता को कमान दी है, जिसके नाम पर कभी कोई विवाद नहीं रहा है। राज्य में अकाली दल और बीएसपी ने गठजोड़ का ऐलान किया है। इसके अलावा अकाली दल ने कई बार कहा है कि उसकी सरकार बनी तो वह दलित डिप्टी सीएम देगी। माना जा रहा है कि कांग्रेस ने अपने इस फैसले से अकाली दल के वादे की काट कर दी है और इससे आगामी चुनाव में उसे बड़ी बढ़त मिलने की संभावना होगी।

राजस्थान की सियासत में दिखा पंजाब का असर, सीएम गहलोत के ओएसडी ने भी दिया इस्तीफा

जयपुर (आरएनएस)। पंजाब की सियासत में आए भूचाल के बाद राजस्थान में भी सुगबुगाहट दिखने लगी है। दरअसल कैप्टन अमरिंदर सिंह के हटने के बाद राजस्थान मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के ओएसडी लोकेश शर्मा ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। शर्मा ने बीती देर रात करीब 12.30 बजे अपना इस्तीफा सीएम गहलोत को भेजा है। इस्तीफे के पीछे की वजह उन्होंने खुद के एक ट्वीट बताया है।

दरअसल, ट्विटर पर उन्होंने लिखा था कि मजबूत को मजबूर, मामूली को मगरूर किया जाए...! बाड़ ही खेत को खाए, उस फसल को कौन बचाए.. लोकेश शर्मा का कहना है कि उनके ट्वीट को राजनीतक रंग दिया जा रहा है। इसे पंजाब की सियासत से जोड़ा जा रहा है, यह गलत है। इसलिए वे अपना इस्तीफा दे रहे हैं।

लोकेश शर्मा ने अपने इस्तीफे में लिखा है कि मैं 2010 से ट्विटर पर सक्रिय हूं। आज तक पार्टी लाइन से अलग कोई भी ऐसे शब्द नहीं लिखे जिन्हें गलत कहा जा सके। मैंने अपनी मर्यादाओं का ध्यान रखते हुए कोई भी राजनैतिक ट्वीट नहीं किया है। फिर भी आपको लगता है मेरे द्वारा जान-बूझकर कोई गलती की गई है तो मैं इस्तीफा भेज रहा हूं, निर्णय आपको करना है।

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय आज से 26 सितंबर तक आजादी का अमृत महोत्सव मनाएगा

नई दिल्ली (आरएनएस)। प्रगतिशील भारत और इसके गौरवशाली इतिहास के 75 वर्ष पूर्ण होने का उत्सव मनाने के उपलक्ष में, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय आज़ादी का अमृत महोत्सव समारोह के एक अंग के रूप में अगले सप्ताह विशेष कार्यक्रमों और उत्सवों का आयोजन कर रहा है।

वाणिज्य विभाग 20-26 सितंबर, 2021 की अवधि के दौरान 'वाणिज्य सप्ताह' (व्यापार और वाणिज्य सप्ताह) मनाएगा। इसके अंतर्गत देश भर में कई कार्यक्रमों और उत्सवों का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें आत्मनिर्भर भारत की क्षमता का उल्लेख किया गया है। इन कार्यक्रमों के माध्यम से यह देश के सभी 739 जिलों को शामिल करते हुए 'खेत से विदेशी भूमियों', निर्यातक सम्मेलनों और वाणिज्य उत्सव पर ध्यान केंद्रित करते हुए आत्मनिर्भर भारत के रूप में एक उभरती हुई आर्थिक शक्ति, हरित और स्वच्छ एसईजेड का प्रदर्शन किया जाएगा।

15 अगस्त, 2019 को लाल किले की प्राचीर से अपने स्वतंत्रता दिवस संबोधन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रत्येक जिले को निर्यात केंद्र में बदलने के आह्वान से प्रेरणा लेते हुए, सितंबर, 2020 में केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल के निर्देशन में एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) योजना का अनावरण किया गया था। एक जिले की वास्तविक क्षमता को साकार करने, आर्थिक विकास को बढ़ावा देने और रोजगार एवं ग्रामीण उद्यमिता का सृजन करने की दिशा में ओडीओपी को एक परिवर्तनकारी कदम के रूप में देखा जाता है, जो हमें आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य तक ले जाता है।

24-26 सितंबर, 2021 को होने वाले वाणिज्य उत्सव के दौरान, निर्यात और निर्यात के साथ-साथ विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) द्वारा बाजार विकास सहायता (ईएमडीए) और संबंधित राज्य सरकारों के सहयोग से 100 जिलों में व्यापक स्तर के कार्यक्रमों सहित 700 से अधिक जिलों में निर्यातक सम्मेलनों/बैठकों का आयोजन किया जाएगा। संबंधित जिले के जिला आयुक्तों/कलेक्टरों की अध्यक्षता में जिला निर्यात संवर्धन समितियां (डीईपीसी) इन सम्मेलनों के आयोजन में प्रमुख हितधारक होंगी। इसमें अग्रणी बैंक, स्थानीय निर्यात संघों और निर्यात संवर्धन परिषदों (ईपीसी) जैसे हितधारकों से जुड़े विदेशी व्यापार के मुद्दों पर स्थानीय निर्यातकों/उद्यमियों के लिए 2-3 घंटे के महत्वपूर्ण सत्र शामिल होंगे।

साथ ही, भारतीय विदेश व्यापार संस्थान (आईआईएफटी) द्वारा देश के पांच क्षेत्रों- उत्तर, दक्षिण, पूर्व, पश्चिम और पूर्वोत्तर (स्थलों का विवरण आवश्यक) में आज़ादी और निर्यात प्रोत्साहन/आयात प्रतिस्थापन-आत्मनिर्भरता की ओर विषय पर पांच राष्ट्रीय संगोष्ठियों/प्रदर्शनियों का आयोजन किया जाएगा।

इन आयोजनों के दौरान, सरकारी ई-मार्केटप्लेस (जीईएम) और ईपीसी में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) की ऑनबोर्डिंग भी पूरी की जाएगी।

वाणिज्य सप्ताह के एक अन्य प्रमुख अभियान के तहत सभी 14 ईपीसी द्वारा 21-22 सितंबर, 2021 को आयोजित किए जा रहे 35 निर्यात संवर्धन कार्यक्रमों/प्रदर्शनियों में प्रत्येक राज्य/केंद्रशासित प्रदेश में से कम से कम एक कार्यक्रम के माध्यम से भारत को एक उभरती आर्थिक शक्ति के रूप में प्रदर्शित किया जाएगा। निर्यात प्रोत्साहन के इस जन आंदोलन बनाने के लिए स्थानीय निर्यातकों, निर्माताओं और औद्योगिक इकाइयों को ईपीसी संगठित करेंगी।